Nai Dunia (Indore), 14th March 2025, Front Page- plus 01

बढ़ावा

आइआइटी इंदौर और आइआइएसईआर ने आयोजित की कार्यशाला

कृषि क्षेत्र में नवाचार पर ध्यान देने की आवश्यकता

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइआइएसईआर) पुणे ने व्यावसायीकरण के लिए अनुसंधान नवाचार पर एक दिवसीय उद्योग-शैक्षणिक कार्यशाला आयोजित की। इसका उद्देश्य अनुसंधान और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था, जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र में तकनीकी विकास को बल मिल सके।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर। ● फाइल फोटो

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कृषि उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार इन तकनीकों का उपयोग फसल विकास, सटीक खेती और कृषि डेटा विश्लेषण में किया जा सकता है। वक्ताओं ने हरित क्रांति के ऐतिहासिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए एक नई कृषि क्रांति की संभावना पर जोर दिया, जो भारत को वैश्विक कृषि प्रौद्योगिकी में अग्रणी बना सकती है। बायोटेक कंसोर्शियम इंडिया लिमिटेड (बीसीआइएल) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने में मदद करेगा। इसके अलावा कई स्टार्टअप और गैर सरकारी संगठनों ने परिशुद्ध कृषि, जीनोम विश्लेषण और बीज परीक्षण के क्षेत्र में संयुक्त कार्यक्रम विकसित करने पर सहमति जताई। इससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। आइआइटी इंदौर की प्रो. अरुणा तिवारी, एएसटीयू के कुलगुरु प्रो. नरेंद्र एस चौधरी, आइसीएआर के सहायक महानिदेशक डा. अनिल राय, सी-डैक पुणे की वैज्ञानिक लक्ष्मी पनत और आघारकर अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. प्रशांत ढाकेफलकर जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने हिस्सालिया।